INSTITUTIONAL VALUES AND BEST PRACTICES

इंस्टीट्यूशन वैल्यूज एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज के माध्यम से स्नातकोत्तर महाविद्यालय पट्टी, प्रतापगढ़ में अध्यनरतछात्रों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन करने की प्रतिबद्धता और मिशन की पूर्ति के लिए प्रयास करना है तथा आर्थिक और शैक्षणिक रूप से वंचितों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करने,उन्हें सशक्त बनाने, उच्च गुणवत्ता युक्त ज्ञान प्रदान करने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करना है।

कार्यक्रम का शीर्षक
आउटरीच, विस्तार और सह-पाठ्यचर्या क्रियाएँ

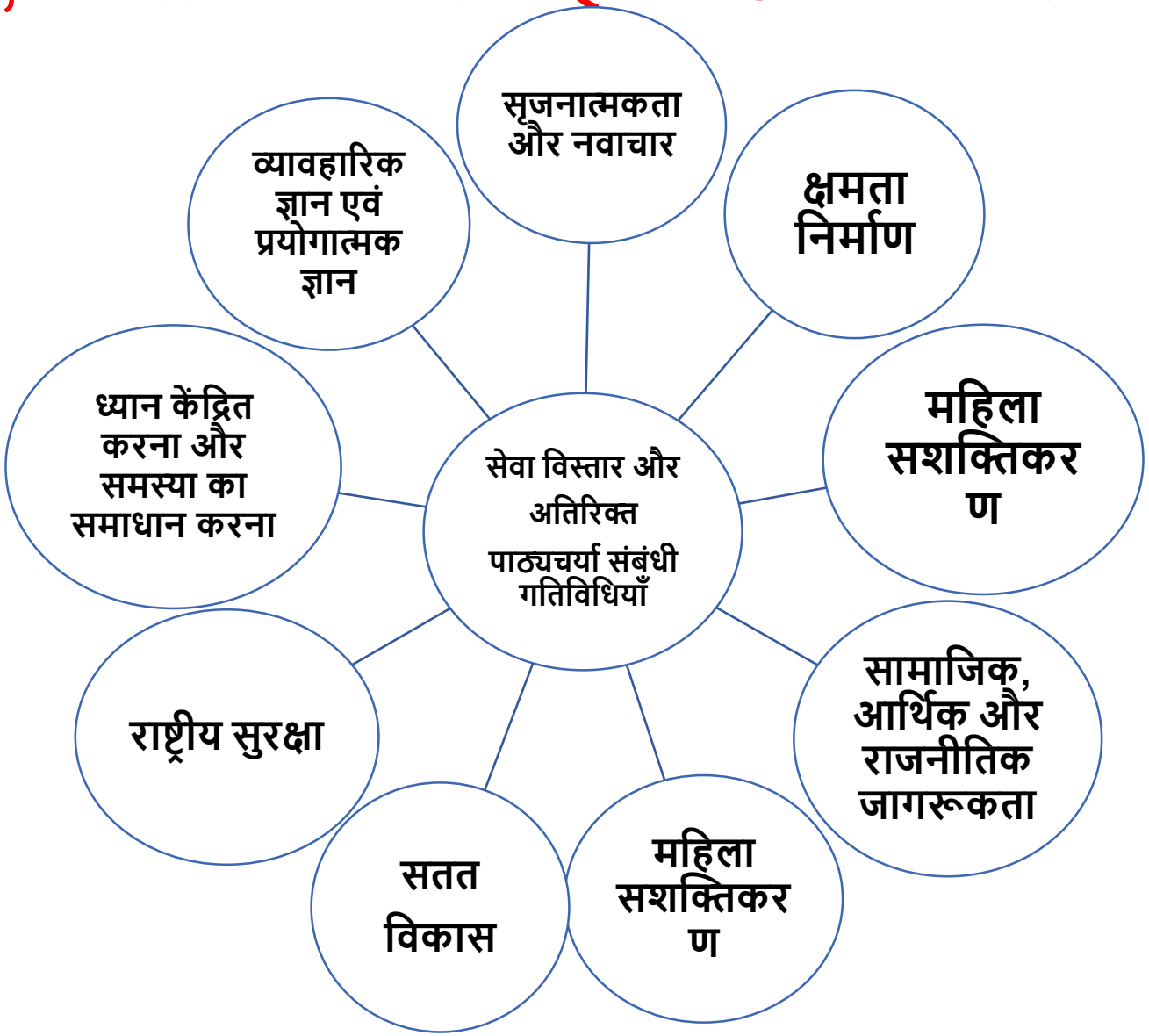

अभ्यास के उद्देश्य

1-छात्रों के व्यवहार और चिंतन के सामान्य घटक के रूप में सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रेरित करना।

2-सामाजिक उत्तरदायित्व के पारिस्थितिक, आर्थिक और राजनीतिक घटकों को समझना।

3-राष्ट्र निर्माण के एक भाग के रूप में सतत विकास के महत्व पर बल देना।

4-जटिल सामाजिक मुद्दों के समाधान के लिए दृष्टिकोण विकसित करना।

5-राष्ट्रीय सुरक्षा की समग्र समझ विकसित करना।

6-टीम भावना और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना।

7-बेहतर नागरिक बनाने के लिए मौलिक कर्तव्यों के महत्व को समझाना।

8-कॉलेज के आदर्श वाक्य "श्रद्धे श्रद्धापयेह नः" (अर्थात् हे श्रद्धा! हम सबमें श्रद्धा प्रदान करो) को साकार करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

संदर्भ

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रतापगढ़ जिले के अधिकांश भाग की सामाजिक-आर्थिक स्थिति निम्न है और यहाँ किफायती गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों की कमी है।इस संदर्भ में स्नातकोत्तर महाविद्यालय पट्टी प्रतापगढ़, इस जिले के पट्टी तहसील हेतु एक वरदान है।हमारे कॉलेज में छात्र समाज के कम जागरूक लेकिन महत्वाकांक्षी वर्गों से आते हैं।अतः, उनकी जागरूकता बढ़ाना और उनकी आकांक्षाओं का समर्थन करना हमारा नैतिक दायित्व है।इसलिए, हमारा विस्तार और जनसंपर्क कार्यक्रम सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और यह समझाने पर केंद्रित है कि कैसे उनकी निरंतरता व्यापक सामाजिक भलाई में बाधा है।हमारा मानना है कि सामाजिक समस्याओं का समाधान समस्या-समाधान दृष्टिकोण को विकसित करके, क्षमता निर्माण और समुदाय में बेहतर आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करके किया जा सकता है, क्योंकि ये सभी सामाजिक-आर्थिक कल्याण से जुड़े हैं। इसलिए, हमारा उद्देश्य न केवल राष्ट्र की सेवा में बेहतर नागरिक तैयार करना है, बल्कि सतत और उपयोगी विकास के लिए सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत भी तैयार करना है। हमारा संस्थान इसी संदर्भ में विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करता है

अभ्यास(Practice)

उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए हमने निम्नलिखित अभ्यासों को अपनाया है।

1. महिला सशक्तिकरण: महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए हम निम्नलिखित गतिविधियाँ संचालित कर रहे हैं।

➢ महिला शिक्षा एवं सुरक्षा जागरूकता अभियान

➢ शारीरिक फिटनेस शिविर

पट्टी पी०जी० महाविद्यालय में प्राचार्य के नेतृत्व में मनाया गया योग दिवस

➢ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान

➢ लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण

➢ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान

- ये गतिविधियाँ मिशन शक्ति, राष्ट्रीय सेवा योजना के जनादेश के अंतर्गत और परिसर में स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से संपन्न की गईं।

- छात्रों को उचित पोषण की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना और यह बताना कि सरकार इसे सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय कर रही है।

➢ सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

➢ मतदाता जागरूकता अभियान

➢ राष्ट्रीय एकता दिवस संगोष्ठी

➢ बृहद पौधारोपण कार्यक्रम

➢ राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

- ये गतिविधियाँ विभिन्न समझौता ज्ञापनों, राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना, विभिन्न सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों और संस्थान की नवाचार परिषद के जनादेश के तहत संचालित की गईं।

सामने आई समस्याएं:

हमारे आउटरीच और विस्तार गतिविधियों के दौरान हमें निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ा:

- समुदाय की बार-बार भागीदारी के प्रति अनिच्छा।
- कल्याण और सशक्तिकरण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता की कमी।
- संबंधित सरकारी विभागों के साथ समन्वय का अभाव।
- समुदायों में व्याप्त पूर्वाग्रहों के कारण परिवर्तन में निष्क्रियता।
- सुविधाओं और समर्थन के मामले में समुदायों से अवास्तविक अपेक्षाएं।
- छात्रों और शिक्षकों के शैक्षणिक समय प्रबंधन पर प्रतिकूल प्रभाव।
- निरंतर निगरानी, प्रभाव मूल्यांकन और प्रलेखन के लिए अपर्याप्त बजट और अवास्तविक समयसीमा।

धन्यवाद

"श्रद्धे श्रद्धापयेह नः"